'ओडीओपी से प्रतिभाओं को मिल रहा प्लैटफॉर्म'

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में दो दिवसीय प्रदर्शनी शुरू

■ एनबीटी, लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिले के उत्पादों को बढ़ावा देने का एक बेहतरीन प्लैटफॉर्म तैयार किया है। 'एक जनपद, एक उत्पाद' (ओडीओपी) पहल के तहत गांव से लेकर शहर के कारीगरों तक को आगे बढ़ाने का काम किया है। इससे छिपी प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। यह बात शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में दो दिवसीय 'एक जनपद एक उत्पाद' कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग के राज्यमंत्री चौधरी उदयभान सिंह ने कही। यहां एमएसएमई से जुड़े कई कामगार, युवा और उद्यमियों को सम्मानित किया गया। साथ ही चिकनकारी बुकलेट का विमोचन भी किया गया।

इस मौके पर प्रमुख सचिव नवनीत सहगल, कमिश्नर मुकेश मेश्राम, डीएम कौशलराज शर्मा, सीडीओ मनीष बंसल को भी प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

ऑर्गेनिक खेती के लिए हुई तारीफ : राज्यमंत्री ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में लगी प्रदर्शनी भी देखी। इस दौरान वो कृषि विभाग के स्टॉल पर पहुंचे। उन्होंने काले गेहूं की जानकारी ली। किसान ने बताया कि साधारण गेहूं के मुकाबले काले गेहूं में आयरन और जिंक की मात्रा ज्यादा रहती है। इस सीजन में करेला, तरोई, लौकी, लहसुन और रेड लेडी पपीते की खेती कर रहे हैं। यह पूरी तरह से ऑर्गेनिक है। मंत्री ने स्टॉल से 120 रुपये देकर पपीता भी खरीदा।

कार्यक्रम के दौरान कामगारों और उद्यमियों को किया गया सम्मानित।

ये रहा खास

- 50 लाभार्थियों को विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत टूल किट दिए गए।
- राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार से सम्मानित 12 शिल्पकारों को सम्मानित किया
- उद्यमियों एवं उद्यमी संगठनों के पदाधिकारियों को उद्योग क्षेत्र में सक्रिय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।
- पीएम मुद्रा योजना, सीएम युवा स्वरोजगार योजना, ओडीओपी योजना से लाभान्वित लाभार्थियों को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया।
- एमएसएमई द्वारा संचालित विभिन्न ऋण योजनाओं के तहत जिले के 50 लाभार्थियों में 527 लाख रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र दिए गए।

'सालभर खुलेगा अवध शिल्प ग्राम'

प्रमुख सचिव नवनीत सहगल से शिकायत की गई कि उन्हें अपने उत्पाद बेचने के लिए कोई ठोस प्लेटफॉर्म नहीं मिल रहा है। इसपर उन्होंने मंच से ही घोषणा की एमएसएमई का आवास विकास से समझौता हो गया है, अब अवध शिल्प ग्राम 365 दिन खुलेगा।

कार्यक्रम में लगे स्टॉलों को देखने पुलिसकर्मी भी पहुंचे।

स्पेशल बच्चों का हौसला बढ़ाया

दृष्टि संस्थान के दिव्यांग बच्चों ने हाथों से बने कैंडल, जूट के बैग, जूलरी, शॉल का स्टॉल लगाया। यहां राज्यमंत्री ने पहुंचकर बच्चों की हौसला अफजाई की। बच्चों ने एक पेंटिग राज्यमंत्री को भेंट की।